A–0429

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BY-301

B.A. Yoga (BAY)

जल एवं पृथ्वी तत्व चिकित्सा

Examination, Feb., 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe Water Element Therapy. Explain its key points and benefits.

   जल तत्व चिकित्सा का वर्णन करें। इसके मुख्य बिंदु और लाभ बताएं।

2. Describe in detail the role of naturopathy in stress management.

   तनाव प्रबंधन हेतु प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका का सविस्तार वर्णन कीजिए।

3. Explain the concept of an earth element therapy.

   पृथ्वी तत्व चिकित्सा की अवधारणा को समझाइए।

4. Discuss the diagnosis methods for detecting Water and Earth element imbalances using modern and traditional systems.

जल और पृथ्वी तत्व असंतुलन का पता लगाने के लिए आधुनिक और पारंपरिक निदान विधियों पर चर्चा करें।

5. Explain the role of Water and Earth elements in Kapha Dosha and related diseases affecting respiratory and lymphatic systems.

कफ दोष में जल और पृथ्वी तत्व की भूमिका और इससे प्रभावित श्वसन एवं लिम्फ प्रणाली से होने वाली बीमारियाँ समझाएँ।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the role of earth element in musculoskeletal health.

मांसपेशी और अस्थि स्वास्थ्य में पृथ्वी तत्व की भूमिका समझाएँ।

2. Discuss the integrated role of Water and Earth Therapy in managing blood pressure and stress.

रक्तचाप एवं तनाव नियंत्रण में जल एवं पृथ्वी चिकित्सा की समन्वित भूमिका पर चर्चा कीजिए।

3. Describe any two diseases caused by imbalance of earth element.

पृथ्वी तत्व असंतुलन से उत्पन्न होने वाले किन्हीं दो रोगों का वर्णन कीजिए।

4. What is the therapeutic importance of Hydrotherapy in urinary disorders ? Explain with examples.

मूत्र संबंधी रोगों में जल चिकित्सा का चिकित्सीय महत्व क्या है ? उदाहरण सहित समझाइए।

5. Explain the effect of earth element deficiency in bones.

हड्डियों में पृथ्वी तत्व की कमी का प्रभाव समझाएँ।

6. Write the types of mud.

मिट्टी के प्रकार लिखिए।

7. Explain the importance of mud therapy.

मिट्टी चिकित्सा का महत्व समझाइए।

8. Write the types of bath used in hydro therapy.

जल चिकित्सा में प्रयुक्त स्नान के प्रकार लिखिए।

****